

[Literature as a Source of values]

आधीन काल निरव आदिग ग्रन्थ मरु आधुनिक विदु आदिग
 माधुमेर जीवन अरुण आरुणमाग्रा मूल्यवादी कथा मूल, एरुव्या
 ईश्वरमाग्रा मरुवकम आधुमालि मरु, वृद्धामाधु, रीमाधु, काममाधु
 मरु मोरुमाधु, 'वृद्धम' (The Absolute)-रु माग्रा 'वृद्धाविद्या' व
 मूल कथा, 'नरुमाधु' कथा निरु, माधुमार नरुव मरुण देरु मरु
 'वृद्धाविद्या', आधीन एरुवकम 'अथ, किर उ मरुव' (Truth, goodness
 beauty) - रु विरुण मूल्यवादी मूल मीतार कथा मरुवदिल मरु
 आधीन कथा माधुमेरु माधु मरुव कथा मला मरुव, रीमरु/Right
 conduct) देरु विरु कथा 'मरुका' (moksha) आधीनरु देरु विरु
 'अथ' (Artha) उ 'काम' (Kama) मरुविक मूल्यवादी विरुव कथा मरु,
 'मरुका' इल आधीनरु मरुविक - मरुविक मरुण मरुव मरुविक,
 'मरुका' मरुव [Purusarthas - रीम, अथ, काम, मोरु - 4 ends of
 life] मरुविक आधीनरु उ मरुविक जीवनरु विरु मरुविक,
 मरुकाविद्या मरु देरु माधु मरुविक विरुव रीम'माधु, अथ'माधु
 काम'माधु, मोरु'माधु मूल्यवादी ईश विरुव कथा मरु,

तेरुविक ईशविद्या (Taittiriya Upanishad)
 ईश्वरि मरुविक मरुविक मूल्यवादी मरुविक मरुविक - ईश्वरि
 मरुविक, Oad (1981) - एरु वरुण मरुविक 'मरु' (Happiness)
 मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक
 मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक
 'मरु' - एरु मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक
 मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक

आधीन रीम'मरु वरुणमाग्रा, मरुविक, मरुविक, मरुविक, मरुविक
 मूल्यवादी ईश विरुव विरुव मरुविक, वरुणमाग्रा मरुविक,
 मरुविक, मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक
 मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक
 मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक
 मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक मरुविक

■ ଆଦିତି ଚଉତି ଶବ୍ଦ ଯା ଲିଖିତ ତିନି କଥନତ୍ର କଥନତ୍ର କଥା
ଦିନାହୁଏ ବର୍ଣ୍ଣନା ଦିତ ବାସନ୍ତରୁ, ଲାଗିଲି ଶାବ୍ଦର ଆଦିତିର
ଅର୍ଥ " ଭକ୍ତର ଦ୍ଵାରା ବଢ଼ିବେନା " ଆଦିତିର ମର୍ତ୍ତ୍ୟବିକ୍ରମ କରଣ,
ନାଟକ, କଳାକାରୀ, ନାମଲିଖକମାନ ତେବେ କିନ୍ତୁ କେବଳ ଆଦିତିର
ତେବେ ମାନ ଶାବ୍ଦ ସ୍ଵତନ୍ତ୍ରୀୟ କଳାକାର କାଳକ୍ରମିକ ବୋଧାୟ,

III ଚକ୍ରପୁଂ:-

ଦିନାକିନ ଯାହା ଆଦିତି ଚକ୍ରପୁଂ କାଳ ତେବେ
ଚକ୍ର ଧର୍ମାତ୍ମକ ଚକ୍ରର ବୃତ୍ତର ମତ୍ତ ତିନି ବସିମାର ଆଦିତି
ସ୍ଵତନ୍ତ୍ର କର, ଆଦିତିର ଅଳ୍ପ ଲୋକର ତାହାର ଶିକ୍ଷାଦେନା
ତେବେ ତାହାକିତା ତେଜସବୁର ଶକ୍ତି କ୍ଷୁଦ୍ର ଧାର ଯା ତାହାକିତାର
କାଳକ୍ରମିକ ବିକଳକ୍ରମିକ କାର୍ଯ୍ୟର ତାହା ଶାବ୍ଦକ୍ରମାଧାରୀ
ରହ,

ଦୋରବନ ପ୍ରକଳ ବଳାଧାର ଆଦିତିକାଳି ବର୍ଣ୍ଣ ତେବେ

ତାହାକି ଲିଖିତ ବୃଣା ବିକାସର ମାନ୍ୟତା କରା ରହ, ବିକଳକ୍ରମ
ସ୍ଵତନ୍ତ୍ରୀୟ ବା ବିକଳକ୍ରମ (ଧାରଣ) ବା ସ୍ଵତନ୍ତ୍ର କ୍ରମ ବିକାସର
ବିକଳକ୍ରମ, ତେଜସ୍ଵୀ ବିକଳକ୍ରମ ଲେଖା ବର୍ଣ୍ଣକାଳି ଆଦିତିର
ଦୋରବନ, ବିକଳକ୍ରମ ବିକଳକ୍ରମ ବଢ଼ିବେ ବର୍ଣ୍ଣକାଳି ବିକଳକ୍ରମ
ଆଦିତିର ଦୋରବନ,